# SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

## Pisciculturist (Fish Farming Expert)

मत्स्य पालन विशेषज्ञ (मत्स्यपालक) वैज्ञानिक तरीके से मछली पालने का काम करता है — तालाब, टैंक या केज में मछलियों का प्रजनन (ब्रीडिंग), बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) तैयार करना, उन्हें पालना (रियरिंग), सही आहार, पानी की गुणवत्ता, ऑक्सीजन...

### इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/pisciculturist

### राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

**सुशील कुमार शर्मा**
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

**श्री चेनाराम चौधरी**
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

**श्रीमती संघमित्रा**
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

**भरत चौधरी**
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)



विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

**सुरेन्द्र सिंह राठौड़**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

**सुरेश कुमार सैन**
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**वनिता कुमारी**
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

**कमलेश चौधरी**
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)



यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

## 1 यह करियर क्या है

मत्स्य पालन विशेषज्ञ (मत्स्यपालक) वैज्ञानिक तरीके से मछली पालने का काम करता है — तालाब, टैंक या केज में मछलियों का प्रजनन (ब्रीडिंग), बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) तैयार करना, उन्हें पालना (रियरिंग), सही आहार, पानी की गुणवत्ता, ऑक्सीजन और रोग नियंत्रण का ध्यान रखना, और तैयार मछली की कटाई व विपणन करना। रोहू, कतला, मृगल, तिलापिया और पंगेशियस जैसी मछलियों से लेकर झींगा तक — यह क्षेत्र 'ब्लू रिवोल्यूशन' और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत तेज़ी से बढ़ रहा है। राजस्थान में जलाशयों और तालाबों में अंतर्देशीय मत्स्य पालन (इनलैंड फिशरीज़) का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे यह कम ज़मीन में अच्छी आमदनी देने वाला स्वरोजगार व करियर है।

## 2 एक नज़र में

| | |
|---|---|
| न्यूनतम योग्यता | 12वीं (विज्ञान) — B.F.Sc के लिए; या मत्स्य पालन डिप्लोमा/प्रशिक्षण |
| कोर्स अवधि | B.F.Sc 4 वर्ष; डिप्लोमा/प्रशिक्षण कुछ हफ़्ते–2 वर्ष |
| आरंभिक वेतन | ₹15,000–25,000/माह (छोटा तालाब) |
| कार्य-शैली | स्वरोजगार (अपना फार्म) या नौकरी — फार्म/हैचरी पर |

## 3 क्या-क्या चाहिए

**रुचियाँ**

- मछलियों, पानी और जलजीवों के साथ काम करने में रुचि
- खेती और प्रकृति से जुड़ा व्यावहारिक काम पसंद
- अपना व्यवसाय खड़ा करने और आमदनी बढ़ाने का उत्साह

**क्षमताएँ**

- बारीकी से निरीक्षण — पानी, आहार व मछली की सेहत पर नज़र
- शारीरिक रूप से मेहनती और धैर्यवान होना
- बुनियादी हिसाब-किताब और प्रबंधन की समझ

### ज़रूरी कौशल

- तालाब/टैंक तैयार करना, चूना व खाद डालना और प्रबंधन
- पानी की गुणवत्ता, pH, ऑक्सीजन व तापमान की जाँच
- मछली रोग की पहचान और रोकथाम
- रिकॉर्ड-कीपिंग, लागत-लाभ हिसाब और सरकारी योजना का लाभ लेना
- मछली का प्रजनन (ब्रीडिंग) और बीज (फ्राई/फिंगरलिंग) उत्पादन
- संतुलित आहार व फीडिंग शेड्यूल का प्रबंधन
- कटाई (हार्वेस्टिंग), ग्रेडिंग, पैकिंग और विपणन

## 4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं (विज्ञान — भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान) पूरी करें यदि B.F.Sc करना है।
2. मत्स्य विज्ञान में 4 वर्षीय स्नातक (B.F.Sc) के लिए ICAR AIEEA (UG) या राज्य की प्रवेश परीक्षा दें; राजस्थान में MPUAT उदयपुर का मत्स्य महाविद्यालय प्रमुख विकल्प है।
3. यदि जल्दी शुरुआत करनी है तो NFDB/PMMSY व राज्य मत्स्य विभाग के अल्पकालिक मत्स्य पालन प्रशिक्षण या डिप्लोमा से भी काम सीख सकते हैं।
4. किसी प्रगतिशील फार्म या हैचरी पर व्यावहारिक अनुभव लें — प्रजनन, फीडिंग और जल प्रबंधन सीखें।
5. अपना तालाब/टैंक शुरू करें और PMMSY के तहत सब्सिडी व बैंक ऋण के लिए राज्य मत्स्य विभाग में आवेदन करें।
6. अनुभव के साथ हैचरी, फीड मिल या एक्वा-बिज़नेस में विस्तार करें।

### प्रमुख परीक्षाएँ

- ICAR AIEEA (UG) — B.F.Sc मत्स्य विज्ञान में प्रवेश हेतु अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (NTA द्वारा आयोजित)
- राज्य कृषि/मत्स्य विश्वविद्यालयों की प्रवेश परीक्षाएँ (जैसे MPUAT उदयपुर)

## 5 कहाँ से पढ़ें

### सरकारी संस्थान

- मत्स्य महाविद्यालय, MPUAT उदयपुर (College of Fisheries) — उदयपुर, राजस्थान (https://www.cofudaipur.ac.in/)
- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPUAT) — उदयपुर, राजस्थान (https://www.mpuat.ac.in/)
- ICAR-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (ICAR-CIFE) — मुंबई, महाराष्ट्र (https://www.cife.edu.in/)
- राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) प्रशिक्षण — हैदराबाद / अखिल भारतीय (https://nfdb.gov.in/)

### निजी संस्थान

- श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय व राज्य मत्स्य विभाग प्रशिक्षण केंद्र — जोबनेर/राजस्थान (https://sknau.ac.in/)

- इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (ICAR) संस्थान नेटवर्क — अखिल भारतीय (https://icar.org.in/)

#### ऑनलाइन

- PMMSY — मत्स्य पालन जानकारी व प्रशिक्षण पोर्टल — ऑनलाइन (https://pmmsy.dof.gov.in/)
- मत्स्य विभाग, भारत सरकार — ऑनलाइन (https://dof.gov.in/)

#### फ़ीस

सरकारी मत्स्य महाविद्यालयों (MPUAT उदयपुर आदि) में B.F.Sc की फीस अपेक्षाकृत कम — लगभग ₹20,000–60,000/वर्ष होती है। NFDB/राज्य मत्स्य विभाग के अल्पकालिक प्रशिक्षण अक्सर मुफ़्त या नाममात्र शुल्क पर मिलते हैं। अपना फार्म शुरू करने में तालाब निर्माण व बीज-आहार की लागत PMMSY सब्सिडी (सामान्य वर्ग को 40%, महिला/SC/ST को 60%) से काफ़ी कम हो जाती है।

#### छात्रवृत्तियाँ

- प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) — सब्सिडी (https://www.myscheme.gov.in/schemes/pmmsy)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in)
- ICAR राष्ट्रीय प्रतिभा छात्रवृत्ति (B.F.Sc हेतु) (https://icar.org.in/)
- SJE राजस्थान छात्रवृत्ति (https://sje.rajasthan.gov.in/)

## 6 काम कैसा होता है

#### कहाँ काम

अपने या पट्टे के तालाब/टैंक, जलाशय व केज फार्म, मछली हैचरी, एक्वाकल्चर कंपनियां, फीड कंपनियां तथा राज्य मत्स्य विभाग के फार्म।

#### कार्य-संस्कृति

काम मौसम और मछली-चक्र पर आधारित होता है — सुबह-शाम फीडिंग व निगरानी ज़रूरी। खुले में, पानी के पास मेहनत का काम है; कटाई के समय व्यस्तता बढ़ जाती है। महिलाएँ भी इस क्षेत्र में सफलतापूर्वक फार्म और हैचरी चला रही हैं।

#### कौन नौकरी देता है

- स्वरोजगार — अपना मत्स्य फार्म / हैचरी / एक्वा-बिज़नेस
- राज्य मत्स्य विभाग (राजस्थान सहित) व सरकारी फार्म/हैचरी
- मछली आहार (फीड) व एक्वा-इनपुट कंपनियां
- एक्वाकल्चर व मत्स्य उत्पादन कंपनियां और झींगा फार्म
- राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) व PMMSY परियोजनाएँ
- मत्स्य सहकारी समितियां और किसान उत्पादक संगठन (FPO)

**माँग (2026)**

भारत विश्व के सबसे बड़े मछली उत्पादकों में है और 'ब्लू रिवोल्यूशन' तथा ₹20,050 करोड़ की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत मत्स्य क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है। मछली की घरेलू खपत और निर्यात दोनों बढ़ रहे हैं, जिससे कुशल मत्स्यपालकों की मांग ऊँची है। राजस्थान में जलाशयों व तालाबों में अंतर्देशीय मत्स्य पालन का विस्तार नए अवसर बना रहा है।

## 7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. छोटा मत्स्यपालक (एक-दो तालाब/टैंक)
2. प्रगतिशील मत्स्य किसान / एक्वा-उद्यमी
3. हैचरी संचालक व बीज उत्पादक
4. एक्वा-बिज़नेस मालिक / मत्स्य FPO प्रमुख (फीड, प्रोसेसिंग, विपणन सहित)

**कमाई**

| | |
|---|---|
| शुरुआत | ₹15,000–25,000/माह |
| मध्य स्तर | ₹30,000–60,000/माह |
| वरिष्ठ स्तर | ₹1,00,000+/माह |

आय तालाब क्षेत्रफल, मछली की प्रजाति, उत्पादन और बाज़ार पर निर्भर करती है। एक छोटा तालाब शुरुआत में ₹15,000–25,000/माह दे सकता है, जबकि कई तालाबों वाला प्रगतिशील किसान ₹30,000–60,000/माह से अधिक कमा सकता है। झारखंड की मत्स्यपालक विनीता कुमारी औसतन लगभग ₹70,000/माह कमाती हैं, और पीक सीज़न में आय लाखों तक पहुँचती है; हैचरी/एक्वा-बिज़नेस के मालिक इससे कहीं ज़्यादा कमाते हैं।

## 8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

**अच्छी बातें**

- कम ज़मीन में अच्छी आमदनी वाला स्वरोजगार; PMMSY से सब्सिडी व ऋण सहायता
- बढ़ते मत्स्य उद्योग में स्थिर मांग और विस्तार के अवसर
- महिलाओं व ग्रामीण युवाओं के लिए समान अवसर

**चुनौतियाँ**

- रोग, ऑक्सीजन की कमी या बाढ़/सूखे से मछली-हानि का जोखिम
- रोज़ की निगरानी और मेहनत का काम — छुट्टी कम
- शुरुआती पूँजी और बाज़ार-कीमत में उतार-चढ़ाव

## 9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

**Bhudev Singh**
**मत्स्यपालक व PMMSY लाभार्थी, हरिद्वार, उत्तराखंड**

हरिद्वार, उत्तराखंड के भूदेव सिंह पारंपरिक खेती करते थे, पर कोविड के बाद उन्होंने अपने गाँव में तालाब बनाकर मत्स्य पालन शुरू किया। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के तहत लगभग ₹1.76 लाख का सब्सिडी-युक्त ऋण मिलने से उन्होंने आधुनिक मत्स्य पालन अपनाया और एक ही साल में अपनी आमदनी दोगुनी कर ली, जिससे जीवन-स्तर बेहतर हुआ। उनकी कहानी दिखाती है कि सही प्रशिक्षण और सरकारी योजना के सहारे एक साधारण किसान भी वैज्ञानिक मत्स्य पालन से अच्छी आय और सम्मान कमा सकता है।

Prokerala News · https://www.prokerala.com/news/articles/a1673428.html

**Vinita Kumari**
**मत्स्यपालक व थोक विक्रेता, दुमका, झारखंड**

दुमका, झारखंड की विनीता कुमारी अपने राज्य की एकमात्र महिला मछली थोक विक्रेता हैं। परिवार में पिता, भाइयों और पति को खोने के बाद उन्होंने दो बच्चों के भरण-पोषण के लिए पारिवारिक मत्स्य व्यवसाय संभाला और रोहू, कतला व मृगल जैसी मछलियों का कारोबार खड़ा किया। PMMSY के तहत उन्हें ₹10 लाख (₹4 लाख अनुदान सहित) की मदद मिली। आज वे औसतन लगभग ₹70,000/माह कमाती हैं और उन्हें बेस्ट फिशरीज़ अवार्ड (2022), बेस्ट फिश फार्मर अवार्ड (2023) व MFOI अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। उनका सफ़र हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो मत्स्य पालन में आत्मनिर्भर करियर बनाना चाहती है।

Krishi Jagran · https://krishijagran.com/success-story/jharkhand-woman-fish-farmer-earns-rs-70-000-monthly-by-diversifying-into-ocean-and-freshwater-fish-farming

## 10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- मत्स्य / एक्वाकल्चर तकनीशियन
- मत्स्य विस्तार अधिकारी
- मत्स्य विकास अधिकारी

## 11 स्रोत व आगे पढ़ें

**1.** राजस्थान करियर गाइडेंस – मत्स्य पालन विशेषज्ञ (मत्स्यपालक) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%af-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%a8-%e0%a4%b5%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a5%87%e0%a4%b7%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%9e-%e0%a4%ae%e0%a4%a4%e0%a5%8d/

**2.** मत्स्य महाविद्यालय, MPUAT उदयपुर — https://www.cofudaipur.ac.in/

**3.** ICAR-केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (CIFE), मुंबई – प्रवेश — https://www.cife.edu.in/admission

**4.** प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) — https://pmmsy.dof.gov.in/

**5.** राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB) — https://nfdb.gov.in/

**6.** शिक्षा – B.F.Sc कोर्स व करियर — https://www.shiksha.com/b-f-sc-bachelor-of-fisheries-science-chp

**और 770+ करियर — पूरा पोर्टल**

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

**career.gsssjethantri.in**